



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 229]
No. 229]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 5, 1987/वैशाख 15, 1909
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 1987/VAISAKHA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 मई, 1987

अधिसूचना

सा० का० नि० 454(अ)—केन्द्रीय सरकार महापत्तन न्यास
अधिनियम, 1963 (1963 का 38वां) की धारा 132 की उप-धारा
(1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, मद्रास पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए
तथा इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मद्रास पत्तन
(अवकाश) अधिनियम, 1987 को अनुमोदित करती है।

2. उक्त विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त
होंगे।

[काइल सं०पी० धार०-12017/1/86/पों. ई.1]

पी० एम० अब्राहम, अपर सचिव

अनुसूची

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) विनियम, 1987

(आर. आर. सी/एक्स. एल-4/38346/74/एस.)

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा
28 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड
गौबदा मद्रास पोर्ट ट्रस्ट छुट्टी विनियमों का अधिक्रमण करते हुए,
नेम्नलिखित विनियम बनाता है, इस शर्त पर कि सरकारी अनुमोदन
मेल जाए और ये इनमें प्रकाशित किए जा रहे हैं जैसा कि उपरोक्त
अधिनियम की धारा 124 के तहत अपेक्षित है :—

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट के सभी कर्मचारियों की छुट्टी की हकदारी निम्न-
लिखित विनियमों से नियमित होगी जो मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी)
विनियम, 1987 कहलाएंगे।

1. परिभाषाएँ :—

इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ अन्यथा न हो, निम्नलिखित अर्थ होगा :—

(अ) कोई, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष का वही अर्थ होगा जो उन्हें महा परतन स्यास अधिनियम, 1963 में दिया गया है।

(ब) वर्ग-1, वर्ग-2, वर्ग-3 और वर्ग-4 की सेवाओं का वही अर्थ होगा जो (उन्हें मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी) नियुक्ति, पदोन्नति-आदि) विनियमों में दिया गया है।

(स) कर्मचारी चाहे वह स्थायी हो, या अस्थायी से तात्पर्य कर्मचारियों की बोर्ड अनुसूची में उत्पन्न समयमान में पदधारी से है।

(द) सेवानिवृत्ति से तात्पर्य मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (सेवा-नियुक्ति) विनियम के तहत सेवा-निवृत्त होने वाले कर्मचारी से है।

(य) स्थायी कर्मचारी से तात्पर्य उस कर्मचारी से है जो ट्रस्ट में मूलरूप से स्थायी पद पर है।

(र) अस्थायी कर्मचारी से तात्पर्य उस कर्मचारी से है जो स्थायी नहीं है।

(ग) वेतन से तात्पर्य समय-मान में प्रदत्त मूल वेतन से है जिसमें सहगाई वेतन, व्यक्तिगत वेतन, प्रतिनियुक्ति भत्ता, गैर व्यवसायिक भत्ता, समता भत्ता आदि शामिल हैं।

(घ) वर्ष से तात्पर्य पंचांग वर्ष।

2. छुट्टी के प्रकार :—

कर्मचारी निम्न प्रकार की छुट्टियों के हकदार होंगे :—

- (1) पूर्ण वेतन पर अर्जित छुट्टी।
- (2) अर्ध वेतन छुट्टी।
- (3) प्रसूति छुट्टी (केवल महिला कर्मचारियों के लिए)।
- (4) विशेष अवसर्पता छुट्टी।
- (5) अध्ययन छुट्टी।
- (6) प्रवाधारण छुट्टी।

(1) पूर्ण वेतन पर अर्जित छुट्टी :

(अ) प्रत्येक कर्मचारी के लिए अर्जित छुट्टियों का लेखा तैयार किया जाएगा जिसमें 1 जनवरी 1978 को उसके खाने में जमा अर्जित छुट्टियों को अर्पणित किया जाएगा और जिसमें उसके पश्चात् प्रत्येक वर्ष के अन्त में विषय संख्या के साथ प्रत्येक प्रथम जनवरी और प्रथम जुलाई को 15 दिन जमा कर दिए जाएंगे। वर्ष के अन्त में सम-संख्या के साथ प्रथम जुलाई को जमा किए गए दिनों की संख्या 16 दिन होगी।

(ब) पिछले आधे वर्ष के समाप्त होने समय कर्मचारी के खाने में जमा छुट्टियों को अगले आधे वर्ष में अर्पणित किया जाएगा बशर्ते कि इस प्रकार अर्पणित की गई छुट्टियों और उस आधे वर्ष की छुट्टियां कुल मिलाकर 180 दिन से अधिक न हों।

(स) वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए कर्मचारी के मामले में उनके अर्जित छुट्टी खाने में आधे वर्ष के अवसर तक जिन्हें वह नियुक्त किया गया है, उसमें उसके द्वारा की गई सेवा के प्रत्येक महीने के पूर्ण होने के पश्चात् प्रति माह 2 1/2 (दोई) दिन की छुट्टी जमा की जाएगी।

(द) उस आधे वर्ष में जिसमें कोई कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है अथवा सेवा से त्यागपत्र दे देता है उसके मामले में उस अवधि में सेवा निवृत्त/त्यागपत्र की तारीख तक उसे प्रत्येक माह के पूर्ण होने पर 2 1/2 (दोई) दिन की दर से छुट्टी दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां

कोई कर्मचारी सेवा से त्यागपत्र दे देता है और उसमें उसको देत छुट्टियों से अधिक छुट्टियां ले ली हैं तो अधिक प्रदत्त छुट्टी वेतन के मामले में अर्पणित समझन कर दिया जाएगा यदि कोई हो।

(य) किसी भी आधे वर्ष के दौरान यदि किसी कर्मचारी की मरण हो जाती है अथवा उसे चिकित्सीय सेवा अयोग्य घोषित कर दिया जाता है और आधे वर्ष के प्रारम्भ से उसे जमा की गई छुट्टियों की वह ले लेता है तो ऐसे मामलों में अधिक प्रदत्त वेतन के मामले में कोई समझन नहीं किया जाएगा, यदि कोई हो।

(र) ऐसे कर्मचारी के मामले जिसने किसी भी विशेष आधे वर्ष में विनियम-2 में निर्धारित अर्जित छुट्टियों के अलावा कोई अन्य छुट्टी ली है तो अगले आधे वर्ष के प्रारम्भ में उसके छुट्टी खाने में जमा करने वाली छुट्टियां ऐसी छुट्टियों की 1/11 कम कर दी जाएंगी।

(ग) एक बार में कर्मचारी की प्रदान की जाने वाली अर्जित छुट्टियों की अधिकतम संख्या 120 दिन से अधिक नहीं होगी।

(घ) उपरोक्त प्रावधान के तहत अर्जित छुट्टियों को जमा करने से दिनों की भिन्नता की गणनीकी पूर्ण संख्या तक पूर्णक बना दिया जाएगा।

(ब) अर्जित छुट्टियों के समय छुट्टी वेतन—कोई भी कर्मचारी अर्जित छुट्टियों की अवधि में छुट्टी पर जाने से पूर्व तैनाती के समय उसके द्वारा प्रदत्त वेतन के बराबर वेतन पाने का हकदार होगा।

(2) अर्ध-वेतन छुट्टी :

(अ) प्रत्येक कर्मचारी के मामले में अर्ध वेतन छुट्टी का लेखा तैयार किया जाएगा जिसमें इन विनियमों के प्रारम्भ होने की तिथि से उसके खाने में जमा अर्ध वेतन छुट्टियों को अर्पणित किया जाएगा तथा उसके पश्चात् प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को केवल उस जनवरी को छोड़कर जिसके साथ वह ट्रस्ट सेवा में आया है, उसके खाने में 20 दिन जोड़ दिए जाएंगे। बाद वाले मामलों में उसके खाने में जमा करने की छुट्टियों के दिनों का अनुपात पूर्ववर्ती वर्ष में उसके द्वारा की गई सेवा की अवधि के अनुसार होगा।

(ब) अर्ध वेतन छुट्टियों के समय छुट्टी वेतन—कोई भी कर्मचारी अर्ध वेतन छुट्टियों की अवधि में छुट्टी पर जाने से पूर्व तैनाती के समय उसके द्वारा प्रदत्त वेतन के आधे वेतन के बराबर वेतन पाने का हकदार होगा।

(स) अर्ध वेतन छुट्टियों में पूर्ण वेतन पर छुट्टियों का संवर्धन : निम्नलिखित शर्तों पर कोई भी कर्मचारी उसके अपने खाने में जमा अर्ध वेतन छुट्टियों को पूर्ण वेतन पर संवर्धन कराने के लिए आवेदन कर सकता है :

(1) आवेदन चिकित्सा के आधार पर हो और उनके साथ चिकित्सा प्रमाण-पत्र संलग्न हो।

(2) उनके अर्ध वेतन छुट्टी खाने में से संवर्धन की गई छुट्टियां छुट्टियों की कुली छुट्टियां काट ली जाएंगी।

(3) ऐसे मामलों में जहां किसी कर्मचारी का संवर्धन छुट्टी संवर्धन की गई है, वह बिना तैनाती पर तत्पश्चात् त्यागपत्र दे देता है या स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हो जाता है तो संवर्धन की गई संवर्धन छुट्टियां, अर्ध वेतन छुट्टियां माफी जाएंगी और प्रदत्त की गई अधिक राशि बगूल कर ली जाएगी परन्तु ऐसे मामलों में जहां तैनाती पर तत्पश्चात् का कारण मृत्यु या चिकित्सा अयोग्यता है, ता ऐसी कोई बगूल नहीं की जाएगी।

(व) लघुकृत छुट्टियों के समय छुट्टी वेतन: कोई भी कर्मचारी जो अर्ध वेतन छुट्टियों को पूर्ण वेतन छुट्टियों में लघुकृत करता है, वह उस अवधि में छुट्टी पर जाने से पूर्व तैनाती के समय उसके द्वारा गृहीत वेतन के बराबर वेतन पाने का हकदार होगा।

(3) प्रसूति छुट्टी:

(अ) अन्य प्रकार की छुट्टियों के अलावा महिला कर्मचारी प्रसूति की तिथि से प्रसूति छुट्टी की हकदार होगी जो 90 दिनों तक होगी।

(ब) विफलता या गर्भपात के समय भी प्रसूति छुट्टी प्रदान की जा सकती है परन्तु इसकी अधिकतम सीमा छः सप्ताह से अधिक नहीं होगी। आवेदन पत्र चिकित्सा प्रमाण-पत्र के साथ होना चाहिए।

(स) प्रसूति छुट्टी किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी के साथ जोड़ी जा सकती है जिसमें लघुकृत छुट्टी भी शामिल है। परन्तु प्रसूति छुट्टी के साथ 60 दिनों से अधिक किसी भी प्रकार की आवेदित छुट्टी केवल तभी मंजूर की जाएगी जब कि ट्रस्ट अस्पताल के चिकित्सा प्रमाण-पत्र के साथ अनुरोध किया गया हो।

(द) प्रसूति छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन: प्रसूति छुट्टी के समय कोई भी महिला कर्मचारी ऐसी छुट्टी पर जाने से पूर्व तैनाती के समय उसके द्वारा गृहीत वेतन के बराबर वेतन पाने की हकदार होगी।

(4) विशेष असमर्थता छुट्टी:

किसी भी कर्मचारी को विशेष असमर्थता छुट्टी निम्नलिखित आधार पर दी जा सकती है:

(अ) कर्मचारी के शारीरिक कर्तव्यों को यथोचित निभाने के लिए जानबूझ कर फंसने अथवा उसकी पदीय स्थिति के परिणामस्वरूप चोट लगने से असमर्थ हो जाने पर;

अथवा

(ब) दुर्घटना के कारण घायल होने अथवा उसके पदीय कर्तव्यों का यथोचित पालन करने के कारण अथवा किसी खास कर्तव्य के पालन करते समय बीमार हो जाने जिससे उसकी बीमारी बड़ गई हो अथवा कार्यरत पद पर सामान्य जोखिम के अलावा चोट लग जाने आदि कारणों से असमर्थ हो जाने पर।

(स) ऐसी छुट्टी तब तक मंजूर नहीं की जाएगी जब तक कि तीन महीने के अन्दर स्वयं असमर्थता प्रकट नहीं हो जाती कि किस कारण यह हुई और असमर्थ व्यक्ति जल्दकारी देने में शीघ्रता नहीं वरतता। परन्तु यदि छुट्टी मंजूर करने वाला सभ्य प्राधिकारी अगर इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि असमर्थ होने के तीन महीने के बाद भी इसका प्रकट होता छुट्टी प्रदान करने के लिए अनुमत है तो वह छुट्टी मंजूर कर सकता है।

(द) उपरोक्त खण्ड (अ) के तहत मंजूर की जाने वाली छुट्टी की अवधि वह होगी जिसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रमाणित करेगा और किसी भी मामले में 24 महीने से अधिक नहीं होगी। अगर असमर्थता बड़ जाती है अथवा बाद के दिनों में उसी प्रकार की परिस्थितियों में पुनः हो जाती है तो छुट्टी एक बार से अधिक तब के लिए भी प्रदान की जा सकती है। किसी एक असमर्थता के समय ऐसी छुट्टी की अवधि 24 महीने से अधिक नहीं होगी।

(य) उपरोक्त खण्ड (ब) के तहत छुट्टी की मंजूरी, निम्नलिखित और शर्तों के अधीन की जाएगी:

(1) अगर असमर्थता बीमारी के कारण हुई है तो यह सीधे मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित की जानी चाहिए कि वह काम कर्तव्यों के पालन से हुई है।

(2) अनुपस्थिति की स्थिति यह है कि तैनाती के दौरान छुट्टी के अधिकारी ने की है और इस विनियम के तहत छुट्टी के मातृ के अस्तित्व होगी और इसका कुछ मातृ समय प्रसार को छुट्टी के प्रभावित होगा, इस शर्त के साथ कि पूर्ण वेतन पर मंजूर की गई विशेष असमर्थता छुट्टी की अवधि 120 दिन से अधिक नहीं होगी।

(र) विशेष असमर्थता छुट्टियों के दौरान छुट्टी वेतन: विशेष असमर्थता छुट्टियों पर जाने वाला कर्मचारी निम्नलिखित प्रकार से वेतन का हकदार होगा:

(1) प्रथम 12 दिन छुट्टी जाने से पहले तैनाती पर गृहीत वेतन के बराबर वेतन।

(2) उसके पश्चात् छुट्टी जाने से पहले तैनाती पर गृहीत वेतन के आधे वेतन के बराबर वेतन।

(3) ऐसे कर्मचारियों के मामले में जिन पर कानूनन मुआवजा अधिनियम, 1923 लागू होता हो, उनके मामले में इस विनियम के तहत भुगतान करने वाले छुट्टी वेतन की रकम को उपरोक्त अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (1) के खण्ड (द) के तहत भुगतान किए गए मुआवजे की रकम कम कर दी जाएगी।

(5) अध्ययन छुट्टी:

7(अ) किसी भी कर्मचारी का अध्ययन काव्यवश वांछनीय जसम उच्च अध्ययन शामिल है अथवा व्यवसाय में प्रोब्लम गतिता लेने अथवा मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में उसकी अपनी इच्छा से, सीधा सम्बन्ध रखने वाले तकनीकी विषयों आदि के अध्ययन हेतु भारत या विदेश जाने के लिए अध्ययन छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(ब) सामान्य तथा निम्न मातृ में अध्ययन छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी:—वह कर्मचारी जिसकी सेवा 5 वर्ष से कम हो अथवा ऐसा कर्मचारी सेवानिवृत्त होने वाला है अथवा वह कर्मचारी जिसने छुट्टी समाप्त होने पर पुनः इच्छा पर आने के बाद तीन वर्ष के अन्दर बोर्ड सेवा से सेवानिवृत्त होने का विकल्प दे दिया हो।

(स) कर्मचारी को प्रदान की जाने वाली अधिकतम अध्ययन छुट्टी की अवधि उसकी सम्पूर्ण सेवा में 24 महीने से अधिक नहीं होगी।

(द) प्रत्येक कर्मचारी जिसे अध्ययन छुट्टी मंजूर की गई है, अध्ययन द्वारा त्रिनिशरित प्रवृत्ति में उस अध्ययन का बन्धन-पत्र भरना होगा कि वह अध्ययन छुट्टी समाप्त होने की इच्छा पर वापस आ जाएगा और उसके पश्चात् बोर्ड की सेवा में कम-से-कम तीन वर्ष तक काम करेगा। ऐसा न करने पर वह उसको भुगतान की गई अध्ययन छुट्टी के वेतन की रकम ट्रस्ट को वापस लौटा देगा।

उपरोक्त शर्तें उन मामलों में लागू नहीं होंगी जहाँ सेवाकाल में किसी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है अथवा चिकित्सा अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।

(प) अध्ययन छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन: अध्ययन छुट्टी के दौरान कर्मचारी महंगाई भत्तों को छोड़कर वह वेतन प्राप्त करेगा जो वह छुट्टी पर जाने से पहले इच्छा के समय प्राप्त कर रहा था।

(6) बिना वेतन के असाधारण छुट्टी:

किसी भी कर्मचारी की जब उसके कोई दूसरे प्रकार की छुट्टी प्राप्त नहीं हो तो उसे निम्नलिखित शर्तों के अधीन बिना वेतन के असाधारण छुट्टी प्रदान की जा सकती है:

(प्र) स्थायी कर्मचारी के मामले में लगातार अनुपस्थित रहने की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(ब) अस्थायी कर्मचारी के मामले में अध्यक्ष जब तक कि मामले की प्रशासिक परिस्थितियों में प्रत्यया तय न करे, तब तक उसके अनुपस्थिति रहने की लगातार अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

3. सेवानिवृत्ति के समय प्रिपेटरी छुट्टी :

छुट्टी मंजूर करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा कर्मचारी को सेवानिवृत्त होने के समय प्रिपेटरी छुट्टी लेने की अनुमति प्रदान की जा सकती है, परन्तु उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टियों की अवधि 180 दिन प्रथवा अर्ध वेतन छुट्टियों से अधिक नहीं होगी।

4. अवैय छुट्टी :

(प्र) प्रशासिक परिस्थितियों में किसी भी कर्मचारी को अध्यक्ष अवैय छुट्टी मंजूर कर सकते हैं, इस शर्त पर कि उसके तैनाती पर वापस लौटने पर उसके द्वारा अर्जित अर्ध वेतन छुट्टियों से इनका समंजन कर लिया जाएगा।

(ब) इस अवधि में कर्मचारी को उस वेतन के बराबर वेतन छुट्टियों में वेतन पाने का हकदार होता।

5. छुट्टी प्रदान करने की सामान्य शर्तें :

(प्र) छुट्टी के लिए अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। सेवा की शर्तों को ध्यान में रखते हुए छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी किसी भी प्रकार की छुट्टी को मना कर सकता है अथवा मंजूर की गई छुट्टियों को रद्द कर सकता है।

(ब) लगातार पांच वर्ष से अधिक अवधि के लिए किसी भी कर्मचारी को किसी प्रकार की छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी, जब तक कि प्रशासिक परिस्थितियों में अध्यक्ष प्रत्यया तय न करें।

(स) इन नियमों के तहत ग्राह्य किसी भी प्रकार की छुट्टी संगठित रूप से प्रथवा इस प्रकार ग्राह्य किसी भी प्रकार की छुट्टी के साथ प्रदान की जा सकती है बशर्त कि संगठित रूप से अर्जित छुट्टियों और लघुकृत छुट्टियों की अवधि एक समय में 240 दिन से अधिक नहीं होगी।

(द) छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी कर्मचारी के अनुरोध पर पूर्व प्रभावी रूप से किसी भी प्रकार की छुट्टी को संशोधित कर सकता है जो उसको वेतन भी तथा छुट्टी मंजूर करने समय उसे ग्राह्य हो, इस संशोधन पर अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता तथा अर्जित रूप से मंजूर की गई छुट्टी आधार छुट्टी वेतन के समंजन की शर्त के अन्तर्गत होगी।

(इ) छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी को इस बात का सम्पूर्ण अधिकार है कि वह बिना छुट्टी की अनुपस्थिति की अवधि को असामान्य छुट्टियों में लघुकृत कर सकता है यद्यपि कर्मचारी ऐसे लघुकरण को अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

(ए) कर्मचारी को मंजूर की गई छुट्टी की अवधि समाप्त होने से पहले वह श्रृंखला पर वापस नहीं आ सकता जब तक कि उस प्राधिकारी ने जिसने उसे छुट्टी मंजूर की है, ऐसा करने की अनुमति नहीं दी है।

(ए) ऐसे कर्मचारी को छुट्टी नहीं दी जाएगी जिसे दण्ड देने वाले सक्षम प्राधिकारी ने बर्खास्त अथवा सेवा से निकालने अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्त करने का निर्णय ले लिया हो।

6. सेवानिवृत्ति के समय गैर उपयोग में लाई गई छुट्टियों के समकक्ष नकद भुगतान :

(1) कोई भी कर्मचारी सेवानिवृत्ति पर 30 सितम्बर, 1977 को या उसके बाद सेवानिवृत्त होता है तो उसे उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टियों के लिए निम्न शर्तों के अधीन छुट्टी वेतन का भुगतान किया जाएगा।

(प्र) छुट्टी वेतन के समकक्ष नकद भुगतान की अधिकतम सीमा अर्जित छुट्टियों के 120 दिन तक होगी।

(ब) छुट्टी वेतन के समकक्ष उस प्रकार ग्राह्य नकद सेवानिवृत्ति के समय वेतन होगा और एक बार में तय करने के लिए एकमुश्त भुगतान किया जाएगा।

(स) इस विनियम के तहत उस प्रकार भुगतान की रकम सेवानिवृत्ति के समय अर्जित छुट्टियों एवं मंहगाई भत्ते पर लागू होने वाले छुट्टी वेतन के समकक्ष होगी। नगर प्रति पूति भत्ता और/या मकान किराया भत्ता वेतन नहीं होगा।

(द) छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी सेवानिवृत्ति की तारीख को खाते पर जमा अर्जित छुट्टियों के समकक्ष नकद भुगतान का आदेश जारी करेंगे।

(2) उस कर्मचारी के मामले में जिसकी मूल्य सेवकाल में हो जाती है तो उसकी मूल्य के पहले दिन उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टियों के समकक्ष (जिनकी अवधि अधिकतम 180 दिन होगी) उसके वेतन उल्लेखकारी को नकद भुगतान कर दिया जाएगा तथा इसमें वह वेतन तथा भत्ते शामिल होंगे जिन्हें कि उसे उभर अवधि में मंजूर की गई अर्जित छुट्टियों के बराबर भुगतान किए जाने और इसमें से मूल्य एवं सेवानिवृत्ति उपदान के समकक्ष मासिक कटौती अथवा अन्य समकक्ष प्रदायगी की कटौती कर दी जाएगी। छुट्टी वेतन में योजित मंहगाई भत्ता भी शामिल होगा।

6. (प्र) अर्जित छुट्टी को भुनाना :

(1) दि० 1-1-1979 से प्रत्येक कर्मचारी अपनी छुट्टी जमा से 50% तक की छुट्टियों का नवीकरण कर सकता है यद्यपि कि उसे लगातार सात दिनों की छुट्टी लेनी होगी। यह छुट्टी नवीकरण के पश्चात् बचत जमा छुट्टियों में से उसी समय या उस पचास वर्ष में लेनी होगी।

(2) नकद की गई अर्जित छुट्टियों को कर्मचारी के अर्जित छुट्टी लेखा में से घटाया जाएगा मानो कर्मचारी ने वास्तव में छुट्टी का उपयोग कर लिया हो।

(3) अगर कोई कर्मचारी वास्तविक कुल अर्जित छुट्टियों को नकद करते हुए एक साथ छुट्टी का भी उपयोग करता है तो वह छुट्टियाँ कर्मचारी को ग्राह्य अधिकतम अर्जित छुट्टियों से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् जैसा कि मद्रास पोर्ट ट्रस्ट छुट्टी विनियम के तहत 120 दिनों की छुट्टियाँ ग्राह्य हैं।

(4) इस प्रकार के नवीकरण से वेतन एवं भत्ते शामिल होंगे, यदि वे वास्तव में छुट्टी पर गए होते तो वे उसके लिए प्राप्त होते हैं और इसका अधिम के रूप में भुगतान किया जाएगा।

(5) अगर कोई कर्मचारी सेवानिवृत्ति पर हो यानि कि उपलब्ध सेवा अवधि और नवीकरण की तिथि के बीच हो और निवृत्त होने की तिथि, वास्तविक नकद किए जाने वाले दिनों की संख्या से कम नहीं होगी।

(6) छुट्टियों के बदले में भुगतान की गई राशि किसी भी प्रयोजन के लिए ये परिस्थितियों के रूप में नहीं मानी जाएगी। इस राशि में से अधिव्यय निधि अंशदान, ऋण, अधिम अर्थात् की बचत नहीं किया जाएगा।

(7) जो कर्मचारी विदेशी सेवा पर भारत सरकार या राज्य सरकार या अन्य सार्वजनिक उपक्रमों अथवा अन्य पोर्टों में प्रतिनियुक्ति पर हो वह भी इन विनियमों के अधिन के लिए प्राप्त होंगे और इसकी सम्पूर्ण वैधता मद्रास पोर्ट ट्रस्ट पर ही होगी।

7. छुट्टी के दौरान भत्ते :

कोई भी कर्मचारी छुट्टियों के दौरान नीचे दी गई शर्तों के अनुसार छुट्टी वेतन के अलावा निम्नलिखित भत्तों का भी हकदार होगा :

(1) महंगाई भत्ता :

(अ) सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन का यथोचित दर के अनुसार 180 दिनों तक महंगाई भत्ता देय होगा।

(ब) अवैतनिक छुट्टी के मामले में महंगाई भत्ते का भुगतान नहीं किया जाएगा।

(स) अन्य किसी भी प्रकार की छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन की यथोचित दर के अनुसार सम्पूर्ण अवधि में महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

2. मकान किराया और नगर प्रतिपूर्ति भत्ता :

(अ) पहले चार महीनों के दौरान किसी भी प्रकार की छुट्टी के लिए (जिसमें बिना वेतन के असाधारण छुट्टियों शामिल हैं परन्तु अध्ययन छुट्टी शामिल नहीं है) मकान किराया या नगर प्रतिपूर्ति भत्ता उस दर पर देय होगा जिस पर कि वह छुट्टी पर जाने से तुरन्त बाय उक्त भत्ते प्राप्त कर रहा था।

(ब) अगर छुट्टी चिकित्सा आधार पर है तो चार महीने की सीमा को आठ महीने तक बढ़ाया जा सकता है।

8. ऐसे मामलों में जहाँ अध्यक्ष इस बात से संतुष्ट हों कि इन विनियमों के प्रचालन से किसी भी विशेष मामले में अनावश्यक कठिनाई उत्पन्न होती है तो इन विनियमों में किसी भी बात के होते हुए भी वे ऐसे अपवादों और शर्तों की ठीक और अग्रगत ढंग से व्यवहार के लिए आवश्यक समझें, कारणों की लिखित रूप से अभिलेखित करके आदेश द्वारा उक्त विनियमों के किसी भी प्रावधान को समाप्त कर सकते या उसमें छूट दे सकते हैं।

9. इन विनियमों में प्रावधान न किए गए मामलों में सरकारी नियमों का लागू होना।

इन विनियमों में किसी भी बात के होते हुए भी ऐसे मामलों में जिनमें उन विनियमों के तहत व्यवस्था नहीं की गई है, के लिए समय-समय पर संबंधित केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 और उस पर सरकारी आदेश लागू होंगे, इस शर्त पर कि कोई आवश्यक परिवर्तन सहित ऐसे संशोधनों या अपवादों पर तय करेगा।

अनुसूची

छुट्टी मंजूर करने वाले सक्षम प्राधिकारी

क्रम सं.	पद का विवरण	अध्ययन छुट्टी के असाधारण प्रकार की छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी	अध्ययन छुट्टी मंजूर करने वाले प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	विभागाध्यक्षों को मिला कर सभी कर्मचारी।	अध्यक्ष	अध्यक्ष
2.	विभागाध्यक्षों को छोड़ कर सभी कर्मचारी।	उपाध्यक्ष	

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	विभागाध्यक्षों से तुरन्त नीचे का पद ग्रहण किए हुए कर्मचारियों को छोड़कर सभी कर्मचारी।	विभागाध्यक्ष	अध्यक्ष
4.	विभाग बर्ग 3 व 4 के कर्मचारी	विभागाध्यक्ष द्वारा समय-समय पर नामित, तत्काल वरिष्ठ बर्ग - 1 का अधिकारी।	
प्रशासनिक कार्यालय भवन, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास-600 001.			असोक जोशी अध्यक्ष

24 अप्रैल, 1987

हिन्दी प्रतिलिपि
मद्रास पोर्ट ट्रस्ट

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 5th May, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 454(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust (Leave) Regulations, 1987 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[F. No. PR 12017/1/87 PEI]

P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.

SCHEDULE

MADRAS PORT TRUST

Madras Port Trust (Leave) Regulations, 1987

(RRC/6571/86/S)

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Madras Port Trust Board hereby makes subject to the approval of the Central Government, the following Regulations in supersession of the existing Madras Port Trust Leave Regulations, and the same is published herein as required under Section 124 of the above Act :—

The leave entitlements of all employees of the Madras Port Trust will be governed by the following Regulations entitled "The Madras Port Trust (Leave) Regulations 1987" :—

1. Definition—In these regulations, unless the context otherwise requires—

- (a) 'Board', 'Chairman', 'Deputy Chairman' and 'Head of the Department' shall have the meanings assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963.
- (b) Class I, Class II, Class III and Class IV services shall have the meaning assigned to them in the Madras Port Trust Employees' (Appointment, Promotion, etc.) Regulations.
- (c) 'Employee' means an employee whether permanent or temporary who holds a post on a time-scale borne on the Board's Schedule of Employees.
- (d) 'Retirement' means the retirement of an employee under the "Madras Port Trust Employees' (Retirement) Regulations".
- (e) 'Permanent employee' means an employee who holds substantively a permanent post in the Trust.
- (f) 'Temporary employee' means an employee who is not a permanent employee.
- (g) 'Pay' means basic pay drawn in the time-scale and includes dearness pay, special pay and personal pay, deputation allowance, non-practice allowance and equitation allowance.
- (h) 'Year' means calendar year.

2. Types of leave—Employees will be eligible for the following kinds of leave :—

- (1) Earned leave on full pay.
- (2) Leave on half pay.
- (3) Maternity leave (in the case of female employees only).
- (4) Special Disability Leave.
- (5) Study Leave.
- (6) Extra-ordinary Leave.

(1) Earned leave on full pay—(a) In respect of each employee on account of earned leave will be maintained to which will be carried forward the earned leave to his credit on the 1st January 1978 and to which, thereafter, 15 days will be added on the 1st January and 1st July of each year ending with an odd number. In years ending with an even number, the number of days added on 1st July will be 16.

(b) The leave at credit of an employee at the close of the previous half year shall be carried forward to the next half year, subject to the leave so carried forward plus the credit for that half year, not exceeding 180 days.

(c) In the case of an employee appointed in the course of a year, the credit to his account of earned leave shall be at the rate of 2-1/2 days for each completed month of service which he is likely to render in the calendar half year in which he is appointed.

(d) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from service shall be at the rate of 2-1/2 days per completed month in that half year upto the date of retirement/resignation. If, in the case of an employee who resigns from service, the leave availed is more than the leave due to him, necessary adjustment shall be made in respect of leave salary overdrawn, if any.

(e) In the case of an employee who dies, or who has been medically invalidated from service in the course of any half year and who has availed himself of leave already credited to his account at the beginning of the half year, no adjustment shall be made in respect of leave salary overdrawn, if any.

(f) In the case of an employee who has taken any type of leave as defined in Regulation 2 other than earned leave in a particular half year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half year shall be reduced by 1/11th of such leave.

(g) The maximum earned leave that can be granted to an employee at a time shall not exceed 120 days.

(h) While making credit of earned leave under the above provisions, fractions of a day will be rounded off to the nearest integer.

(i) Leave salary during earned leave—An employee on earned leave is entitled to leave salary equal to the pay drawn by him on duty immediately before he proceeded on leave.

(2) Leave on Half pay—(a) In respect of each employee, an account of half pay leave will be maintained to which the half pay leave at his credit on the date of commencement of these regulations will be carried forward and to which thereafter, 20 days will be added on the 1st January of each year except the 1st January immediately following his appointment in the Trust's service. In the latter case, the number of days credited to his account will be proportionate to the length of his service in the Trust during the preceding year.

(b) Leave salary during Leave on Half Pay—An employee on leave on half pay is entitled to leave salary equal to half the pay drawn by him on duty before he proceeded on such leave.

(c) Commutation of leave on half pay into leave on full pay—An employee can apply for commutation of leave on half pay to his credit as leave on full pay on the following conditions :

- (i) the application should be based on medical grounds supported by a Medical Certificate.
- (ii) twice the number of days of commuted leave sanctioned will be debited to his account of leave on half pay.
- (iii) where an employee who has been granted commuted leave resigns or retires voluntarily from service without returning to

duty, the commuted leave sanctioned shall be treated as leave on half pay and leave salary over-drawn shall be recovered. No such recovery shall be made if the non-return to duty is by reason of death or medical invalidation.

(d) Leave salary during commuted leave—An employee who commutes leave on half pay into leave on full pay shall be entitled to leave salary equal to the pay drawn on duty before he proceeded on such leave.

(3) Maternity Leave—(a) Apart from other types of leave, female employees expecting confinement will be entitled to maternity leave for a period which may extend upto the end of 90 days from the date of its commencement.

(b) Maternity leave may also be granted in case of miscarriage or abortion subject to a maximum of six weeks, the application being duly supported by a Medical Certificate.

(c) Maternity leave may be combined with leave of any other kind including commuted leave, but any leave applied for in continuation of maternity leave in excess of 60 days may be granted only if the request is supported by a medical certificate from the Trust's hospital.

(d) Leave salary during Maternity Leave—An employee on maternity leave shall be entitled to leave salary equal to the pay drawn on duty immediately before she proceeded on such leave.

(4) Special Disability Leave—Special disability leave may be granted to an employee—

(a) who is disabled by injury intentionally inflicted in consequences of the due performance of his official duties or in consequence of his official position or

(b) who is disabled by injury accidentally incurred in or in consequence of the due performance of his official duties or by illness incurred in the performance of any particular duty which has the effect of increasing his liability to illness or injury beyond the ordinary risk attaching to the post which he holds.

(c) Such leave shall not be granted unless the disability manifests itself within three months of the occurrence to which it is attributed and the person disabled acted with due promptitude in bringing it to notice. Provided that the authority competent to grant leave may, if he is satisfied as to the cause of the disability permit leave to be granted in cases where the disability manifested itself more than three months after occurrence of its cause.

(d) The period of leave granted under Clause (a) above shall be such as is certified by the Chief Medical Officer and shall in no case exceed 24 months and it can be granted more than once if the disability is aggravated or reproduced in similar circumstances at a later date. Not more than 24 months of such leave shall be granted in consequence of any one disability.

(e) The grant of leave under clause (b) shall be subject to the following further conditions :—

(i) that the disability if due to disease must be certified by the Chief Medical Officer to be directly but to the performance of the particular duty;

(ii) that the period of absence is as recommended by the Chief Medical Officer and may be covered in part by leave under this regulation and in part by an other kind of leave subject to the condition that the special disability leave granted on leave salary equal to full pay shall not exceed 120 days.

(f) Leave salary during special disability leave—An employee on special disability leave is entitled to leave salary equal to—

(i) for the first 120 days, the pay drawn on duty immediately before he proceeded on leave;

(ii) thereafter half of the pay drawn immediately before he proceeded on leave.

(iii) In the case of an employee to whom the Workman's Compensation Act, 1923, applies, the amount of leave salary payable under this regulation shall be reduced by the amount of compensation payable under Clause (d) of sub-section (1) of section 4 of the said Act.

(5) Study Leave—(a) Study leave may be granted to an employee to enable him to undergo in or out of India a special course of study consisting of higher studies or specialised training in a professional or technical subject having a direct and close connection with the sphere of his duty in the Madras Port Trust.

(b) Study leave shall not ordinarily be granted to an employee having less than 5 years of service or to an employee who is due to retire or has the option to retire from Board's service within three years of the date on which he is expected to resume duty after the expiry of the leave.

(c) The maximum period of study leave than can be granted to an employee shall be 24 months during his entire service.

(d) Every employee who has been granted study leave shall be required to execute a Bond in such form as may be prescribed by the Chairman to the effect that he will resume duty after the expiry of the study leave and serve the Board for a minimum period of three years thereafter failing which he will pay to the Trust the actual amount of study leave salary paid to him.

The above condition will not be enforced if the employee is medically invalidated or dies while in service.

(e) Leave salary during Study Leave—During study leave the employee shall draw leave salary equal to the pay (without allowances other than dearness allowance) that he drew while on duty immediately before proceeding on such leave.

(6) Extraordinary Leave on loss of pay—Extraordinary leave on loss of pay may be granted to an employee when no other leave is admissible, subject to the following conditions :—

- (a) In the case of permanent employee, the continuous period of his absence on leave shall not exceed five years.
- (b) Unless the Chairman, in view of the exceptional circumstances of the case otherwise determines, in the case of temporary employee the continuous period of his absence shall not exceed two years.

3. Leave Preparatory to Retirement—An employee may be permitted by the authority competent to sanction leave, to take leave preparatory to retirement on superannuation to the extent of earned leave due to him not exceeding 180 days plus leave on half pay due to him.

4. Leave not Due—(a) The Chairman may, in exceptional cases, grant leave which is not due to an employee subject to adjustment against the leave on half pay he is likely to earn after returning to duty.

(b) The leave salary during such leave shall be equal to what would have been admissible had the employee been on leave on half pay.

5. General conditions for the grant of leave—(a) Leave cannot be claimed as a matter of right. In the exigencies of service, leave of any kind can be refused or revoked by the authority competent to sanction the leave.

(b) No employee shall be granted leave of any kind of a continuous period exceeding five years, unless the Chairman, in view of the exceptional circumstances, otherwise determines.

(c) Any kind of leave admissible under these regulations may be granted in combination with or in continuation of any other kind of leave so admissible provided that the total duration of earned leave and commuted leave combined shall not exceed 240 days at a time.

(d) The authority competent to sanction leave may at the request of an employee, modify leave of any kind retrospectively into leave of a different kind which was due and admissible to him at the time the leave was granted. Such modification cannot be claimed as a matter of right and shall also be subject to adjustment of leave salary on the basis of leave finally sanctioned (See Schedule).

(e) The authority competent to sanction leave has absolute right to commute periods of absence without leave into extraordinary leave though the employee cannot claim such commutation as a matter of right.

(f) An employee shall not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority who granted him the leave.

(g) Leave shall not be granted to an employee whom a competent punishing authority has decided to dismiss or remove or compulsorily retire from service.

6. Payment of cash equivalent of unutilised earned leave at the time of retirement—(1) An employee retiring on superannuation on or after 30th September, 1977 shall be paid cash equivalent of leave salary in respect of the period of earned leave at his credit at the time of retirement, subject to the following conditions :

- (a) The payment of cash equivalent of leave salary shall be limited to a maximum of 180 days earned leave;
- (b) The cash equivalent of leave salary thus admissible will become payable on retirement and will be paid in one lump sum as a one time settlement;
- (c) The cash equivalent payable under this Regulation shall be equal to leave salary admissible for earned leave and dearness allowance admissible on the leave salary at the rates in force on the date of retirement. No city compensatory allowance and/or house rent allowance shall be payable;
- (d) The authority competent to grant leave shall suo moto issued an order granting cash equivalent of earned leave at credit on the date of retirement.

(2) In the case of an employee who dies while in service, the cash equivalent of earned leave to his credit on the day following the date of death, subject to a maximum of 180 days, shall be paid to his legal heirs and this shall include the pay and allowances he would have been entitled to had he been sanctioned such earned leave, after deducting the monthly equivalent of death-cum-retirement gratuity or other equivalent payment. The leave salary shall include the appropriate dearness allowances also.

6-A. Encashment of Earned Leave :

(i) Every employee shall be allowed to encash upto 50 per cent of the Earned Leave standing to his credit, once in a calendar year, with effect from 1-1-1979 subject to the conditions that he should avail of a continuous spell of earned leave of not less than seven days either simultaneously or subsequently during that calendar year for which purpose there shall be leave to his credit after encashment.

(ii) The encashed earned leave shall be debited to the earned leave account of the employee as if he has actually availed it.

(iii) In the case of an employee who simultaneously avails earned leave while encashing the total of earned leave actually availed and the earned leave encashed shall not exceed the maximum earned leave admissible to the employee at a time, i.e. 120 days under the Madras Port Trust Leave Regulations.

(iv) The amount on such encashment shall be the pay and allowance for which the employee actually would have been eligible had he gone on leave and will be paid in advance.

(v) In the case of an employee who is on the verge of retirement the period of available service between the date of encashment and the date of retirement shall not be less than the actual number of days encashed.

(vi) The amount paid in lieu of leave shall not count as emoluments for any purpose. It shall not also be subjected to recoveries in respect of Provident Fund Subscription, loans, advances etc.

(vii) Employees who are on deputation or foreign service terms to Government of India or State Government or to other Public Sector Undertakings or other Ports will also be eligible for the benefit of these regulations, the entire liability being borne by the Madras Port Trust.

7. Allowance during leave—An employee on leave will be entitled to the following allowances in addition to leave salary subject to the conditions mentioned hereunder :—

(i) Dearness Allowance—(a) In the case of leave preparatory to retirement, dearness allowance will be payable for a period limited to 180 days at the rates appropriate to the leave salary.

(b) In the case of leave on loss of pay no dearness allowance will be payable.

(c) In the case of other types of leave, dearness allowance is payable for the entire period of leave at the rates appropriate to the leave salary.

(ii) House Rent and City Compensatory Allowance—(a) For the first four months of all kinds of leave including extraordinary leave on loss of pay but excluding study leave, house rent allowance and city compensatory allowance will be payable at the rates at which they were drawn while on duty immediately before proceeding on leave.

(b) The limit of four months can be extended upto eight months if the leave is on medical grounds.

8. Where the Chairman is satisfied that the operation of any of these Regulations causes undue hardship in any particular case, he may, notwithstanding anything contained in these Regulations, by order, for reasons to be recorded in writing, dispense with or relax any of the provisions of these Regulations, subject to such exceptions and conditions as he may consider necessary in dealing with the case in a just and equitable manner.

193 GI/87—2

9. Application of Government Rules in matters not provided for in these regulations—Notwithstanding anything contained in these regulations, the provisions of the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 as amended from time to time and the Government orders thereon shall, subject to such modifications or exceptions as the Board may decide, mutatis mutandis apply in matters, not specifically provided for in these regulations.

SCHEDULE

Authorities Competent to Sanction Leave.

Serial Number	Description of Posts.	Authority competent to sanction leave of all kinds except 'Study Leave'	Authority competent to sanction Study Leave.
1	All employees including Heads of Departments.	Chairman	Chairman
2	All employees excepting Heads of Department	Deputy Chairman	—do—
3	All employees in a department, excepting those occupying Posts immediately lower two than the Head of the Department		Head of the Department.
4	Classes III and IV employees in a department.	Immediate Superior Class I Officer to be nominated by the Head of the Department from time to time.	—do—

Administrative Offices Buildings,
Madras Port Trust
Madras-600091

Dated 24th April, 1987.

ASHOKE JOSHI,
CHAIRMAN

